PUBLIC RELATIONS OFFICE
POSTGRADUATE INSTITUTE OF MEDICAL EDUCATON & RESEARCH
CHANDIGARH – 160 012 (INDIA)

PRESS COVERAGE DATED 14.06.2024

	PGIMER Daily News Summary				
Sr. No.	**Date**	**Headline**	**Publication**	**Edition**	**Page No**
1.	14-06-2024	ਵੱਧਦੀ ਗਰਮੀ ਕਾਰਨ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਹੋ ਰਹੀ ਮੈਂਟਲ ਹੈਲਥ ਦੀ ਸਮੱਸਿਆ PGI ਦੇ ਮਾਹਿਰ ਡਾ. ਤੋਂ ਸੁਣੋ, ਲੋਕਾਂ 'ਚ ਕਿਸ ਤਰੀਕੇ ਦੇ ਮਿਲ ਰਹੇ ਲੱਛਣ	Daily Post Punjab Haryana	Online Web	-
2.	14-06-2024	चंडीगढ़ में गर्मी ने बढ़ाई लोगों की टेंशन:PGI में टेली मानस पर बढ़ी कॉल की संख्या, अब 24 घंटे सुविधा उपलब्ध	Dainik Bhaskar	Online Web	-
3.	14-06-2024	YOGA SESSIONS AND COMPETITIONS INITIATED BY MANAGEMENT OF PGI CHANDIGARH	India News Calling	Online Web	-
4.	14-06-2024	Yoga competition for health workers held at PGI	Punjab Express	Print	4
5.	14-06-2024	इंटरनेशनल योग डे पर पीजीआई में बनेगा एशिया बुक ऑफ रिकार्ड	Chandigarh Bhaskar	Print	2
6.	14-06-2024	पीजीआइ में मरीजों के तीमारदारों को 45 मिनट तक कराया योग	Chandigarh Jagran	Print	6
7.	14-06-2024	हेल्थ केयर वर्कर्स ने किया योगाभ्यास	Chandigarh Jagran	Print	6
8.	14-06-2024	पी.जी.आई. न सिर्फ मरीजों के लिए बल्कि उनके परिजनों को भी दे रहा योग से राहत	Chandigarh Kesari	Print	6
9.	14-06-2024	पी.जी.आई. हैपेटोलॉजी में योग से किया जागरूक	Chandigarh Kesari	Print	6
10.	14-06-2024	पी.जी.आई. के स्वास्थ्य कर्मियों के लिए योग प्रतियोगिता	Chandigarh Kesari	Print	6
11.	14-06-2024	हेपेटोलॉजी में योग	Tricity Newsline	Print	6
12.	14-06-2024	ਪੀਜੀਆਈਐਮਈਆਰ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿੱਚ ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਦੀ ਦੇਖਭਾਲ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਲਈ ਯੋਗਾ ਸੈਸ਼ਨ	Paigam-e-Jagat	Print	2
13.	14-06-2024	ਪੀਜੀਆਈ ਦੇ ਸਿਹਤ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਲਈ ਯੋਗਾ ਮੁਕਾਬਲਾ	Paigam-e-Jagat	Print	2
14.	14-06-2024	ਹੈਪੇਟੋਲੋਜੀ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਯੋਗਾ- ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਹੈਪਾਟੋਲੋਜੀ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ	Paigam-e-Jagat	Print	2

15.	14-06-2024	पी.जी.आई. के साइंस सैंटर में बनेगी पांच लैब	Chandigarh Kesari	Print	2
16.	14-06-2024	रक्तदान कर जीवन बचाने में दें योगदान	Amar Ujala	Print	4
17.	14-06-2024	चंडीगढ़ में सबसे ज्यादा 85% रेगुलर रिपीट ब्लड डोनर, आयरन रिच फूड से हीमोग्लोबिन स्तर बेहतर	Chandigarh Bhaskar	Print	1
18.	14-06-2024	आज रक्तदान करके अस्पतालों में हो रही कमी को करें पूरा	Chandigarh Jagran	Print	5
19.	14-06-2024	पेक, पीयू, पीजीआई की 140 दुकानों का किराया अटैच करने का नोटिस जारी, 115 करोड़ प्रॉपर्टी टैक्स बकाया	Chandigarh Bhaskar	Print	1
20.	14-06-2024	चंडीगढ़ पीजीआई में होगा इलेक्ट्रिसिटी ऑडिट	Divya Himachal	Print	1

Dated:-14/06/2024

bright
Punjab Express

Yoga competition for health workers held at PGI

PUNJAB EXPRESS BUREAU
Chandigarh, June 13

As part of the Yogasanas competition at Yoga Centre PGIMER, the competition for the age group 46 years and above was organized on Thursday. Most of the participants in this age group were PGI faculty and staff.

The judges Dr. Aruna rakha, faculty from Translational and Regenerative Medicine and Kalyan, Yoga therapist appreciated all the participant for their active enrollment. With this the 3-days Yogasanas competition comes to an end. Tomorrow, the Yoga Centre will be organizing slogan writing and painting competition. On this occasion, Dr. Akshay Anand, Prof In-charge of the Yoga centre said "The spirit of Yogasanas competition is evident from the large number of faculty members who participated today"

Director, PGIMER, Dr Vivek Lal said, "Yoga is safe and drug free approach to the health and everyone should make it part of their life",

Dated:-14/06/2024

चंडीगढ़ भास्कर

इंटरनेशनल योग डे पर पीजीआई में बनेगा एशिया बुक ऑफ रिकार्ड

2 हजार डॉक्टर योग से देंगे स्वस्थ रहने का संदेश

हेल्थ रिपोर्टर। चंडीगढ़

पीजीआई चंडीगढ़ में इस बार 10वें इंटरनेशनल योग डे के मौके पर 1500 से 2000 डॉक्टर मिलकर योग करेंगे। डॉक्टर स्वयं योग करके समाज को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश देंगे। संभवत: ऐसा पहला प्रयास होगा इतने ज्यादा डॉक्टर योग करेंगे। पीजीआई के प्रो. इंचार्ज योग सेंटर डॉ. अक्षय आनंद ने बताया कि एक साथ इतनी संख्या में डॉक्टर्स द्वारा योग करने पर यह एशिया बुक ऑफ रिकार्ड में दर्ज होने जा रहा है। पीजीआई के डायरेक्टर प्रो. विवेक लाल ने ट्राईसिटी के डॉक्टर्स से अपील की है कि इस योग सत्र सभी डॉक्टर 21 जून को सुबह 5.30 बजे शामिल हों। यह आयोजन पीजीआई के स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में किया जा रहा है। इस दिन 45 मिनट का कॉमन योग प्रोटोकॉल कराया जाएगा। इस दिन पीजीआई स्टूडेंट्स वेलनेस का योग मॉड्यूल जारी करेगा। इस तरह का मॉड्यूल जारी करने वाला पीजीआई का पहला मेडिकल इंस्टीट्यूट होगा।

प्रो.आनंद ने बताया कि इस बार योग दिवस थीम सेल्फ एंड सोसायटी है। इसका मकसद अपना व अपने साथ रहने वाले लोगों की सेहत का ख्याल रखना है। पीजीआई का योग सेंटर इस काम में अभी से जुट गया है। डॉक्टर्स को अभी से अभ्यास करवाना शुरू कर दिया है। वीरवार को हेपेटोलॉजी डिपार्टमेंट के डॉक्टर्स का योग सेशन हुआ। यह प्रो. सुनीत तनेजा की देखरेख में आयोजित किया गया।

नर्सिंग इंस्टीट्यूट में एक और योग सेंटर बन रहा

21 जून शुक्रवार को नर्सिंग इंस्टीट्यूट में एक और योग सेंटर बनाया जा रहा है। इस योग सेंटर का उद्घाटन प्रो. विवेक लाल करेंगे। इस योग सेंटर के उद्घाटन जिम्मेदारी डॉ. अरुणा को सौंपी गई है। योग दिवस के दिन डॉक्टर्स को योग अभ्यास व अन्य कामों की जिम्मेदारी बायोफिजिक्स डिपार्टमेंट डॉ. प्रमोद अवति और साइकेट्री के डॉक्टर कृष्ण कुमार को दी गई हैं। शुक्रवार को पीजीआई के सेंटर में डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ सहित अन्य योग स्लोगन कॉन्टेस्ट में हिस्सा लेंगे। यह आयोजन डॉ. अल्का डढवाल की देखरेख में किया जाएगा।

Dated:-14/06/2024

दैनिक जागरण
चंडीगढ़

पीजीआइ में मरीजों के तीमारदारों को 45 मिनट तक कराया योग

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : दो वर्षों से पीजीआइ में मरीजों के साथ आने वाले उनके तीमारदारों की भलाई के लिए संस्थान पहल कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पीजीआइ में योग केंद्र तीमारदारों के लिए निरंतर सत्र आयोजित कर रहा है। मरीज की देखभाल करने वाले अक्सर तनाव महसूस करते हैं। इसके लिए, पीजीआइ योग केंद्र की तरफ से अस्पताल परिसर में मरीजों व तीमारदारों के लिए सप्ताह में दो दिन 45 मिनट का योग सत्र आयोजित किया जाता है। योगाभ्यास अनुभवी योग प्रशिक्षकों के नेतृत्व में स्वयंसेवकों की टीम करवाती है। योग केंद्र की तरफ से उन्हें योग मैट प्रदान किए जाते हैं। लोगों को योगासन, प्राणायाम और ध्यान का संयोजन, जो तनावमुक्त और मानसिक कल्याण के लिए दृष्टिकोण प्रदान करता है।

पीआइ के स्वास्थ्य कर्मियों के लिए करवाई योग प्रतियोगिता

जासं, चंडीगढ़ : पीजीआइ के योग केंद्र में वीरवार को कर्मचारियों के बीच योगासन प्रतियोगिता करवाई गई। यह प्रतियोगिता 46 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के लिए थी, जिसमें पीजीआइ फैकल्टी और स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। इसमें जज की भूमिका ट्रांसलेशनल और रीजनरेटिव मेडिसिन संकाय की डा. अरुणा राखा और योग चिकित्सक कल्याण ने निभाई। तीन दिवसीय योगासन प्रतियोगिता का समापन हो गया। शुक्रवार को योग केंद्र में स्लोगन लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता होगी। पीजीआइ निदेशक डा. विवेक लाल ने कहा कि योग स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित और नशामुक्त दृष्टिकोण है। इसलिए हर किसी को इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

Dated:-14/06/2024

दैनिक जागरण
चंडीगढ़

योग अभ्यास में शामिल हेल्थ केयर वर्कर्स • पीजीआइ

हेल्थ केयर वर्कर्स ने किया योगाभ्यास

जासं, चंडीगढ़ : ग्लोबल फैटी लीवर दिवस के अवसर पर पीजीआइ के हेपेटोलाजी विभाग की तरफ से संस्थान के हेल्थ केयर वर्कर्स के बीच योग अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षण डा. मोनिका गौतम और मनीष लीवर के स्वास्थ्य को बनाए रखने में योगासन और श्वास की लाभकारी भूमिका के बारे में बताया। हेपेटोलाजी में एसोसिएट प्रोफेसर डा. सुनील तनेजा ने कहा कि जीवन शैली में बदलाव की शुरुआत सबसे पहले घर से करें और इस स्वास्थ्य संदेश को समाज तक पहुंचाएं।

Dated:-14/06/2024

चंडीगढ़ केसरी

पी.जी.आई. न सिर्फ मरीजों के लिए बल्कि उनके परिजनों को भी दे रहा योग से राहत

चंडीगढ़, 13 जून (पाल) : पिछले दो सालों से पी.जी.आई. मरीजों के साथ आने वाले देखभाल करने वालों की भलाई में सुधार के लिए समर्पित है। देखभाल करने वालों को अक्सर अनुभव होने वाले तनाव को पहचानते हुए पी.जी.आई. योग केंद्र शुरू किया गया। जहां रोगियों के लिए प्रतिदिन 45 मिनट का योग सत्र (सप्ताह में दो बार) और कार्डियोलॉजी में वाई ब्रेक किया जाता है। योग सत्र सप्ताह में दो बार आयोजित किए जाते हैं और अनुभवी योग प्रशिक्षकों के नेतृत्व में समर्पित स्वयंसेवकों की एक टीम द्वारा समर्थित होते हैं। योग केंद्र के प्रभारी डॉ. अक्षय आनंद का कहना है कि देखभाल करने वाले आमतौर पर अस्पताल परिसर के बाहर इलाज चाहने वाले अपने मरीजों का इंतजार करते हैं। इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हर साल पीजीआई में योग केंद्र देखभाल करने वालों के लिए निरंतर सत्र आयोजित करता रहा है। स्वयंसेवक सक्रिय रूप से देखभाल करने वालों से संपर्क करते हैं। उन्हें कार्यक्रम से परिचित कराते हैं और उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी प्रतिभागी आराम से अभ्यास कर सकें, योग केंद्र द्वारा योग मैट प्रदान किए जाते हैं। सत्रों में योगासन, प्राणायाम और ध्यान का संयोजन शामिल है, जो तनाव राहत और मानसिक कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है। योग प्रशिक्षक स्पष्ट निर्देश देते हैं और स्वयंसेवक प्रतिभागियों की सहायता करते हैं। यह कार्यक्रम देखभाल करने वालों को उनके स्वास्थ्य के बारे में अधिक जागरूक बनाने और बेहतर तरीके से देखभाल करने के लिए शुरू किया गया है। पी.जी.आई. न केवल अपने मरीजों बल्कि देखभाल करने वालों को भी लगातार समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है जो स्वास्थ्य सेवा यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

Dated:-14/06/2024

चंडीगढ़ केसरी

पी.जी.आई. हैपेटोलॉजी में योग से किया जागरूक

चंडीगढ़, 13 जून (पाल) : वीरवार को ग्लोबल फैटी लीवर दिवस के अवसर पर हैपेटोलॉजी विभाग द्वारा विभाग के स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्त्ताओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षण डॉ. मोनिका गौतम और मनीष द्वारा प्रदान किया गया और उन्होंने लीवर के स्वास्थ्य को बनाए रखने में योगासन और श्वास की लाभकारी भूमिका के बारे में बताया। हैपेटोलॉजी में एसोसिएट प्रोफैसर डॉ. सुनील तनेजा ने भी सभी स्वास्थ्य स्वास्थ्य कर्मचारियों से कहा कि जीवन शैली में बदलाव की शुरुआत सबसे पहले घर से करें और संदेश को हमारे माध्यम से समाज तक पहुंचाएं।

Dated:-14/06/2024

चंडीगढ़ केसरी

पी.जी.आई. के स्वास्थ्य कर्मियों के लिए योग प्रतियोगिता

चंडीगढ़, 13 जून (पाल) : पी.जी.आई. योग केंद्र में योगासन प्रतियोगिता के अंतर्गत वीरवार को 46 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयु वर्ग के अधिकांश प्रतिभागी पी.जी.आई. संकाय और कर्मचारी थे। ट्रांसलेशनल और रीजनरेटिव मैडिसिन से फैकेल्टी डॉ. अरुणा राखा ने सभी प्रतिभागियों की उनके सक्रिय नामांकन के लिए सराहना की। इस अवसर पर योग केंद्र के प्रोफैसर प्रभारी डॉ. अक्षय आनंद ने कहा कि योगासन प्रतियोगिता की भावना आज बड़ी संख्या में भाग लेने वाले संकाय सदस्यों से स्पष्ट है। पी.जी.आई. निदेशक डॉ. विवेक लाल ने कहा कि योग स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित और नशा मुक्त दृष्टिकोण है और हर किसी को इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

Dated:-14/06/2024

ट्राई सिटी न्यूज़ लाइन

हिंदी समाचार पत्र

चंडीगढ़ शुक्रवार, 14 जून 2024 मूल्य - 1 पृष्ठ 6 वार्षिक शुल्क – 50 रुपए

हेपेटोलॉजी में योग

ट्राई सिटी न्यूज़ लाइन/ब्यूरो

ग्लोबल फैटी लिवर डे के अवसर पर हेपेटोलॉजी विभाग द्वारा स्वास्थ्य कर्मियों के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षण डॉ. मोनिका गौतम और मनीष द्वारा दिया गया तथा उन्होंने लिवर को स्वस्थ रखने में योगासन और श्वास की लाभकारी भूमिका के बारे में बताया। हेपेटोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुनील तनेजा ने भी सभी स्वास्थ्य कर्मियों से कहा कि जीवनशैली में बदलाव की शुरुआत घर से करें और अपने माध्यम से समाज तक संदेश पहुंचाएं।

Dated:-14/06/2024

PAIGAM-E-JAGAT

ਪੈਗਾਮ-ਏ-ਜਗਤ

Title code : CHAMUL00914 | E-mail : info@paigamejagat.com | 14 ਜੂਨ 2024, ਸਾਲ 1, ਅੰਕ ਨੰ. 37, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ

ਪੀਜੀਆਈਐਮਈਆਰ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿੱਚ ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਦੀ ਦੇਖਭਾਲ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਲਈ ਯੋਗਾ ਸੈਸ਼ਨ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 13 ਜੂਨ (ਪੈਗਾਮ-ਏ-ਜਗਤ)

ਪਿਛਲੇ ਦੋ ਸਾਲਾਂ ਤੋਂ, ਪੀਜੀਆਈਐਮਈਆਰ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿੱਚ ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਦੇਖਭਾਲ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਤੰਦਰੁਸਤੀ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਸਮਰਪਿਤ ਹੈ। ਦੇਖਭਾਲ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਅਕਸਰ ਅਨੁਭਵ ਕਰਦੇ ਤਣਾਅ ਅਤੇ ਜਲਣ ਨੂੰ ਪਛਾਣਦੇ ਹੋਏ, PGIMER ਯੋਗਾ ਕੇਂਦਰ, ਹਸਪਤਾਲ ਕੈਂਪਸ ਵਿੱਚ ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਲਈ ਰੋਜ਼ਾਨਾ 45 ਮਿੰਟ ਯੋਗਾ ਸੈਸ਼ਨ (ਹਫ਼ਤੇ ਵਿੱਚ ਦੋ ਵਾਰ) ਅਤੇ ਕਾਰਡੀਓਲੋਜੀ ਵਿੱਚ Y ਬ੍ਰੇਕ ਦੀ ਪੇਸ਼ਕਸ਼ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ ਜਿਸਦਾ ਉਦਘਾਟਨ DPGI ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਯੋਗਾ ਸੈਸ਼ਨ ਹਫ਼ਤੇ ਵਿੱਚ ਦੋ ਵਾਰ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਤਜਰਬੇਕਾਰ ਯੋਗਾ ਟ੍ਰੇਨਰਾਂ ਦੁਆਰਾ ਅਗਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ, ਸਮਰਪਿਤ ਵਲੰਟੀਅਰਾਂ ਦੀ ਇੱਕ ਟੀਮ ਦੁਆਰਾ ਸਮਰਥਨ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਦੇਖਭਾਲ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਆਮ ਤੌਰ 'ਤੇ ਹਸਪਤਾਲ ਦੇ ਬਾਹਰ ਆਪਣੇ ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਲਈ ਉਡੀਕ ਕਰਦੇ ਹਨ ਜੋ ਇਲਾਜ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਯੋਗਾ ਦਿਵਸ 2024 ਦੇ ਮੌਕੇ 'ਤੇ, ਹਰ ਸਾਲ PGIMER ਵਿਖੇ ਯੋਗਾ ਕੇਂਦਰ PGIMER ਵਿਖੇ ਦੇਖਭਾਲ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਲਈ ਨਿਰੰਤਰ ਸੈਸ਼ਨ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਵਲੰਟੀਅਰ ਸਰਗਰਮੀ ਨਾਲ ਦੇਖਭਾਲ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਨਾਲ ਜਾਣੂ ਕਰਵਾਉਂਦੇ ਹਨ, ਅਤੇ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਯੋਗਾ ਕੇਂਦਰ ਦੁਆਰਾ ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਯੋਗਾ ਮੈਟ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਸਾਰੇ ਭਾਗੀਦਾਰ ਆਰਾਮ ਨਾਲ ਅਭਿਆਸ ਕਰ ਸਕਣ। ਸੈਸ਼ਨਾਂ ਵਿੱਚ ਯੋਗਾਸਨਾਂ, ਪ੍ਰਾਣਾਯਾਮ, ਅਤੇ ਧਿਆਨ ਦਾ ਸੁਮੇਲ ਸ਼ਾਮਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਜੋ ਤਣਾਅ ਤੋਂ ਰਾਹਤ ਅਤੇ ਮਾਨਸਿਕ ਤੰਦਰੁਸਤੀ ਲਈ ਇੱਕ ਸੰਪੂਰਨ ਪਹੁੰਚ ਪੇਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਯੋਗਾ ਟ੍ਰੇਨਰ ਸਪੱਸ਼ਟ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਵਲੰਟੀਅਰ ਭਾਗ ਲੈਣ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਹ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੇਖਭਾਲ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਿਹਤ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਦੇਖਭਾਲ ਕਰਨ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਪੀਜੀਆਈਐਮਈਆਰ ਨਾ ਸਿਰਫ਼ ਆਪਣੇ ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਸਗੋਂ ਦੇਖਭਾਲ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਵੀ ਲਗਾਤਾਰ ਸਹਾਇਤਾ ਕਰਨ ਲਈ ਵਚਨਬੱਧ ਹੈ ਜੋ ਸਿਹਤ ਸੰਭਾਲ ਯਾਤਰਾ ਵਿੱਚ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਉਂਦੇ ਹਨ।

ਡਾ. ਅਕਸ਼ੈ ਆਨੰਦ (ਪ੍ਰੋ. ਇੰਚਾਰਜ) ਸੰਦੇਸ਼ : ਦੇਖਭਾਲ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਦੇਖਭਾਲ ਉਹਨਾਂ ਵਿੱਚ ਧੀਰਜ, ਸਵੀਕ੍ਰਿਤੀ ਅਤੇ ਸਿਹਤਮੰਦ ਜੀਵਨ ਸ਼ੈਲੀ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਪੈਦਾ ਕਰਦੀ ਹੈ ਜਦੋਂ ਕਿ ਮਰੀਜ਼ ਦੇ ਇਲਾਜ ਦੀ ਉਡੀਕ ਵਿੱਚ ਆਪਣੇ ਸਮੇਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦੇ ਹੋਏ 'ਜੇਕਰ ਦੇਖਭਾਲ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਸਿਹਤਮੰਦ ਹਨ, ਤਾਂ ਅੱਧੇ ਮਰੀਜ਼ ਦਾ ਪਹਿਲਾਂ ਹੀ ਇਲਾਜ ਹੋ ਚੁੱਕਾ ਹੈ', ਡਾ ਵਿਵੇਕ ਲਾਲ, ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਪੀਜੀਆਈਐਮਈਆਰ ਨੇ ਕਿਹਾ।

Dated:-14/06/2024

ਪੈਗਾਮ-ਏ-ਜਗਤ

ਪੀਜੀਆਈ ਦੇ ਸਿਹਤ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਲਈ ਯੋਗਾ ਮੁਕਾਬਲਾ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 13 ਜੂਨ (ਪੈਗਾਮ-ਏ-ਜਗਤ)

ਯੋਗਾ ਕੇਂਦਰ ਪੀ.ਜੀ.ਆਈ.ਐਮ.ਈ.ਆਰ. ਵਿਖੇ ਯੋਗਾਸਨ ਮੁਕਾਬਲੇ ਦੇ ਹਿੱਸੇ ਵਜੋਂ ਅੱਜ 46 ਸਾਲ ਜਾਂ ਇਸ ਤੋਂ ਵੱਧ ਉਮਰ ਵਰਗ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਕਰਵਾਏ ਗਏ। ਇਸ ਉਮਰ ਵਰਗ ਦੇ ਜ਼ਿਆਦਾਤਰ ਭਾਗੀਦਾਰ ਪੀਜੀਆਈ ਦੇ ਫੈਕਲਟੀ ਅਤੇ ਸਟਾਫ ਸਨ। ਜੱਜਾਂ ਡਾ. ਅਰੁਣਾ ਰਾਖਾ, ਟ੍ਰਾਂਸਲੇਸ਼ਨਲ ਅਤੇ ਰੀਜਨਰੇਟਿਵ ਮੈਡੀਸਨ ਦੀ ਫੈਕਲਟੀ ਅਤੇ ਸ਼੍ਰੀ ਕਲਿਆਣ, ਯੋਗਾ ਥੈਰੇਪਿਸਟ ਨੇ ਸਾਰੇ ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਦੀ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਸਰਗਰਮ ਨਾਮਾਂਕਨ ਲਈ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ 3 ਦਿਨਾਂ ਯੋਗਾਸਨ ਮੁਕਾਬਲਾ ਸਮਾਪਤ ਹੋ ਗਿਆ। ਕੱਲ੍ਹ ਯੋਗਾ ਕੇਂਦਰ ਵੱਲੋਂ ਸਲੋਗਨ ਰਾਈਟਿੰਗ ਅਤੇ ਪੇਂਟਿੰਗ ਮੁਕਾਬਲੇ ਕਰਵਾਏ ਜਾਣਗੇ। ਇਸ ਮੌਕੇ 'ਤੇ ਯੋਗਾ ਕੇਂਦਰ ਦੇ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਇੰਚਾਰਜ ਡਾ: ਅਕਸ਼ੈ ਆਨੰਦ ਨੇ ਕਿਹਾ, 'ਯੋਗਾਸਨ ਮੁਕਾਬਲੇ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਅੱਜ ਵੱਡੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿੱਚ ਭਾਗ ਲੈਣ ਵਾਲੇ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਤੋਂ ਜ਼ਾਹਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ'। ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਪੀਜੀਆਈਐਮਈਆਰ, ਡਾ: ਵਿਵੇਕ ਲਾਲ ਨੇ ਕਿਹਾ, 'ਯੋਗਾ ਸਿਹਤ ਲਈ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਅਤੇ ਨਸ਼ਾ ਮੁਕਤ ਪਹੁੰਚ ਹੈ ਅਤੇ ਹਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਇਸ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਬਣਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ'।

Dated:-14/06/2024

ਪੈਗਾਮ-ਏ-ਜਗਤ

ਹੈਪੇਟੋਲੋਜੀ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਯੋਗਾ-ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਹੈਪਾਟੋਲੋਜੀ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ

ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, 13 ਜੂਨ (ਪੈਗਾਮ-ਏ-ਜਗਤ)

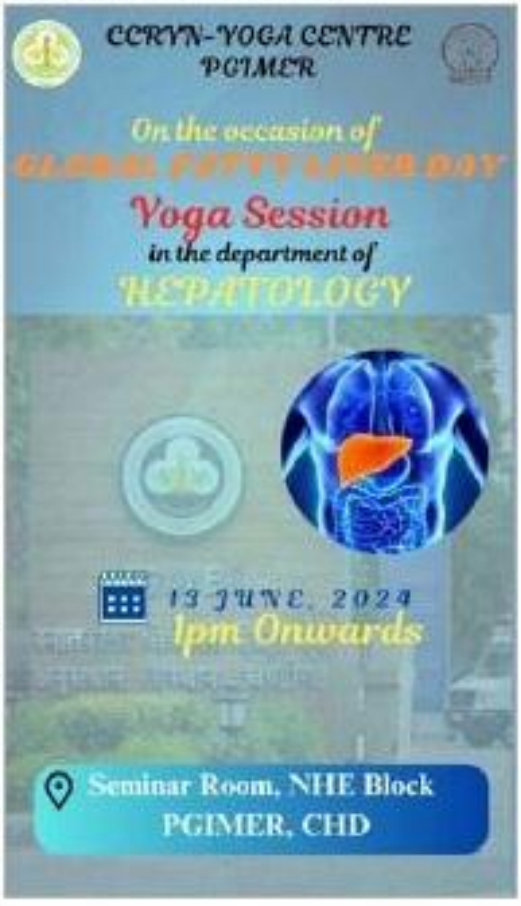

ਗਲੋਬਲ ਫੈਟੀ ਲਿਵਰ ਦਿਵਸ ਦੇ ਮੌਕੇ 'ਤੇ ਹੈਪੇਟੋਲੋਜੀ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਸਿਹਤ ਸੰਭਾਲ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਵਿੱਚ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਯੋਗਾ ਦੀ ਸਿਖਲਾਈ ਡਾ: ਮੋਨਿਕਾ ਗੌਤਮ ਅਤੇ ਸ਼੍ਰੀ ਮਨੀਸ਼ ਦੁਆਰਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਜਿਗਰ ਦੀ ਸਿਹਤ ਨੂੰ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣ ਵਿੱਚ ਯੋਗਾਸਨਾਂ ਅਤੇ ਸਾਹ ਲੈਣ ਦੀ ਲਾਹੇਵੰਦ ਭੂਮਿਕਾ ਬਾਰੇ ਦੱਸਿਆ। ਡਾ: ਸੁਨੀਲ ਤਨੇਜਾ, ਹੈਪੇਟੋਲੋਜੀ ਵਿੱਚ ਐਸੋਸੀਏਟ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਨੇ ਵੀ ਸਾਰੇ ਸਿਹਤ ਸੰਭਾਲ ਪੇਸ਼ੇਵਰਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜੀਵਨ ਸ਼ੈਲੀ ਵਿੱਚ ਤਬਦੀਲੀਆਂ ਨੂੰ ਪਹਿਲਾਂ ਘਰ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਸਾਡੇ ਦੁਆਰਾ ਸਮਾਜ ਤੱਕ ਸੰਦੇਸ਼ ਪਹੁੰਚਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।

Dated:-14/06/2024

चंडीगढ़ केसरी

पी.जी.आई. के साइंस सैंटर में बनेगी पांच लैब

विभाग ने तैयार किया प्रोपोजल न्यूरो संबंधित बीमारियों की रोकथाम में मिलेगी मदद, पी.जी.आई. के पास ही नहीं बल्कि देश के कुछ ही चुनिंदा अस्पतालों के पास हैं यह लैब

चंडीगढ़, 13 जून (पाल) : पी.जी.आई. में बन रहा न्यूरो साइंस सैंटर इस साल शुरू हो सकता है। इसके साथ ही सैंटर में न्यूरो सर्जरी व न्यूरोलॉजी के मरीजों का इलाज एक ही जगह हो पाएगा। पी.जी.आई. प्रशासन कोशिश कर रहा है कि सैंटर को इस साल अगस्त तक शुरू किए जा सके। 495.31 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे न्यूरोसाइंस सैंटर में 300 बेड की सुविधा होगी। इसके साथ ही सैंटर में पांच एडवांस लेवल की ऐसी लैब बनाने का प्रोपजल तैयार हो चुका है, जो अभी तक पी.जी.आई. के पास ही नहीं बल्कि देश के कुछ ही चुनिंदा ऐसे अस्पताल हैं, जहां यह लैब मौजूद हैं।

इनके बनने से न्यूरो सर्जरी व न्यूरोलॉजी से संबंधित ऐसे कई बीमारियों का न सिर्फ इलाज आसान होगा बल्कि बेहतर इलाज मिलने के साथ ही बीमारी का डायग्नोज भी आसान होगा। निदेशक व न्यूरोलॉजी के हैड डॉ. विवेक लाल की देख रेख यह प्रोपजल बनाया गया है।

ऑटोनोमिक फंक्शन टैस्ट लैब

विभाग की पहली प्राथमिकता में ऑटोनोमिक फंक्शन टैस्ट लैब है जिसे विभाग सैंटर बनते ही शुरू करना चाहता है। नार्थ इंडिया के किसी भी बड़े मैडिकल संस्थान में यह टैस्ट लैब मौजूद नहीं है। पी.जी.आई इसमें पहला संस्थान होगा, जहां यह लैब शुरू होगी। इसकी मदद से पेरीफेरल नर्वस सिस्टम डिस्ऑर्डर जैसे वे तंत्रिकाएं जो सिर, चेहरे, आंख, नाक, मांसपेशियों और कानों को दिमाग से जोड़ती है, समेत नसों से संबंधित कई बीमारी में फायदा होगा। इसके साथ ही बेहोशी, पोस्टुरल टैचीकार्डिया सिंड्रोम, पार्किंसोनियन सिंड्रोम इससे मदद मिलेगी।

बिना चीर फाड़ वाली टी.एम.एस. टैक्नीक

ट्रांसक्रेनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (टी.एम.एस.) एक नॉन इनवेसिव (बिना चीर फाड़) तकनीक है जिसका उपयोग कई न्यूरोलॉजिकल बीमारी जैसे कि पार्किंसनिज्म और उससे संबंधित डिस्ऑर्डर के इलाज के लिए किया जाता है। माइग्रेन, स्ट्रोक, माइक्रेन और यहां तक कि मिर्गी भी में भी इससे मदद मिलेगी। विभाग पहले ही टी.एम.एस. की सुविधा को शुरू करने को लेकर तैयारी कर रहा है, जिसके लिए एक टी.एम.एस. मशीन खरीदने की प्रक्रिया भी जारी है।

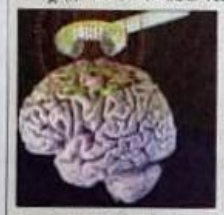

रिहैब सैंटर

रिहैब (पुनर्वास) मैडिसन की एक अहम शाखा है। न्यूरोलॉजी को इसकी जरूरत सबसे ज्यादा रहती है। विभाग की माने तो हमारा लक्ष्य एक अच्छा बड़ा विकसित न्यूरो-रिहैब केंद्र (कम-से-कम 20 बैड वाला) बनाना है। हमें इसके लिए स्थान, फैकेल्टी और प्रशिक्षित कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। मंजूरी मिलते ही हम इसके लिए अलग से प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

गैट लैब के लिए जगह चिह्नित

प्रोपोजल में लिखा गया है कि मौजूदा विभाग गैट लैब एक और क्षेत्र है, जहां हम पिछड़ रहे हैं। यह उन मरीजों के सही डायग्नोज के लिए बेहद उपयोगी है, जिन्हें जागने में कठिनाई होती है। बीमारी के बारे में जानने के साथ-साथ बुजुर्ग लोगों के पुनर्वास के लिए यह बेहद उपयोगी होगी, जिन्हें अक्सर चलने में कठिनाई होती है। मौजूदा विभाग में गैट लैब शुरू करने के लिए जगह नहीं है। हमने पहले ही एडवांस्ड न्यूरोसाइंसेज सैंटर में गैट लैब के लिए जगह चिह्नित कर ली है और हम वहां शिफ्ट होते ही इस लैब की सेवाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

न्यूरो-इम्युनोलॉजी और न्यूरोजेनेटिक लैब

न्यूरोसाइंस सैंटर में शिफ्ट होने के बाद अत्याधुनिक न्यूरो इम्यूनोलॉजी और न्यूरोजेनेटिक लैब शुरू करने की योजना विभाग बना रहा है। विभाग इन्हें इम्यूनोलॉजी और जेनेटिक्स विभाग के नियंत्रण में चलाना चाहते हैं।

तीन सालों में दोगने हुए न्यूरो के मरीज

पी.जी.आई. न्यूरोलॉजी ओ.पी.डी. में मरीजों की संख्या 300 से 400 तक पहुंच जाती हैं। पिछले तीन साल के आंकड़े देखें तो मरीजों की संख्या दुगनी हो गई है। साल-2021 में जहां मरीजों की संख्या 44862 थी। वही साल 2022 में मरीजों की संख्या 68457 पहुंच गई, जबकि साल 2023 में मरीजों की संख्या 82587 तक रिकार्ड हुई।

Dated:-14/06/2024

chandigarh.amarujala.com

my city

अमर उजाला

रक्तदान कर जीवन बचाने में दें योगदान

सेक्टर-17 स्थित ब्रिज मार्केट में आज रक्तदान शिविर का आयोजन

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। अस्पताल में रक्त के इंतजार में एक बुजुर्ग महिला, एक बच्ची और न जाने कितने मरीज और उनके परिजन हैं। आइए रक्तदान कर बीमारी के खिलाफ उनकी जंग को आसान बनाएं।

सेक्टर-17 स्थित ब्रिज मार्केट में 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस पर महा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। हर वर्ष की तरह इसमें वरिष्ठ नागरिकों से लेकर युवा खून देने के लिए पहुंचेंगे। सभी रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। सुबह साढ़े नौ बजे से शाम चार बजे तक रक्तदाता खून का दान कर सकेंगे। पीजीआई, जीएमसीएच-32 और होमी भाभा कैंसर अस्पताल से डॉक्टरों की टीमें रक्तदान शिविर का संचालन करेंगी।

रक्तदान करने के लिए आप भी 9872832637, 8727975444, 9465111590, 9780051477 नंबर पर पंजीकरण के लिए संपर्क कर सकते हैं।

शिविर का आयोजन अमर उजाला फाउंडेशन, श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट, महामाई मनसा देवी चैरिटेबल भंडारा कमेटी, शिव शक्ति सेवा मंडल बुढलाडा, चंडीगढ़ वेलफेयर ट्रस्ट, श्री ओंकार दास मित्तल चैरिटेबल ट्रस्ट, लेदर डेन, और एचडीएफसी बैंक की ओर से किया जा रहा है।

वहीं, विश्वास फाउंडेशन पंचकूला की ओर से भी रक्तदान कैंप लगाए जाएंगे। इसमें चंडीगढ़ में सेक्टर-11 की मार्केट, पंचकूला के सेक्टर-6 की मार्केट में, मोहाली के फेज-5 की मार्केट में और जीरकपुर में गुरुद्वारा श्री नाभा साहिब में लगाए जाएंगे।

Dated:-14/06/2024

चंडीगढ़ भास्कर

वर्ल्ड ब्लड डोनर डे आज • पीजीआई में हर माह 6500 यूनिट ब्लड आता है, रोज की खपत 300 यूनिट

चंडीगढ़ में सबसे ज्यादा 85% रेगुलर रिपीट ब्लड डोनर, आयरन रिच फूड से हीमोग्लोबिन स्तर बेहतर

मनोज अपरोजा | चंडीगढ़

आज वर्ल्ड ब्लड डोनर डे है। गंभीर रूप से बीमार या घायल

मरीजों के लिए ब्लड नया जीवन देने में अहम भूमिका निभाता है। पीजीआई में इंटरनेशनल मानकों के अनुसार ही डोनर का ब्लड लिया जाता है। डोनेशन के वक्त भी पीजीआई पूरी एहतियात बरतता है। पीजीआई ब्लड ट्रांसफ्यूजन डिपार्टमेंट के एचओडी प्रो. रति राम शर्मा ने बताया कि पीजीआई में 80-85 फीसदी रिपीट ब्लड डोनर्स हैं। एक शोध में पाया गया है कि इन डोनर्स के ब्लड में 12.5 ग्राम हीमोग्लोबिन होता है, जो सबसे सुरक्षित और कारगर होता है। पब्लिक सेक्टर के हॉस्पिटल में ब्लड डोनेशन और कलेक्शन में पीजीआई सबसे आगे है।

प्रो. शर्मा ने बताया यहां के लोग हाई रिच आयरन फूड ज्यादा खाते हैं, इस वजह से यहां के लोगों का एचबी लेवल अच्छा है। गन्ने का जूस, गुड़ का सेवन इस रीजन में ज्यादा है। इसकी वजह है यहां सर्दी का स्पेल ज्यादा लंबा होना। इनके साथ ही चुकंदर, नॉन वेज फूड और नट्स भी आयरन का बेहतर सोर्स हैं। यह सब चीजें यहां के लोगों के डाइट में ज्यादा है। ब्लड की प्यूरिटी चेक करने के लिए है टीम पीजीआई में ब्लड क्लेशन के बाद ब्लड की प्यूरिटी का पता लगाने के लिए एक पूरी टीम है। पीजीआई के ब्लड डोनेशन मिशन में 300 एनजीओ सहयोग करती हैं। यहां हर महीने 6 से साढ़े 6 हजार यूनिट ब्लड एकत्र होता है। पीजीआई में रोजाना 300 यूनिट ब्लड की खपत है। पीजीआई के दो दर्जन के आसपास डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ रोजाना 3-4 ब्लड डोनेशन कैंप लगाते हैं।

पोल्ड प्लेटलेट्स कंपोनेंट्स पीजीआई में ही निकाले जा रहे हैं...

प्रो. शर्मा ने बताया कि ब्लड में से पोल्ड प्लेटलेट्स निकालने का काम देश में सिर्फ पीजीआई में ही हो रहा है। कैंसर के मरीजों में यह प्लेटलेट्स काफी कारगर होते हैं। पोल्ड प्लेटलेट्स मरीजों की प्लेटलेट्स की कमी को तेजी से पूरी करता है। पोल्ड प्लेटलेट्स सिंगल डोनर्स से ही निकाले जाते हैं।

विश्वास फाउंडेशन आज चार जगह लगाएगी कैंप...

वर्ल्ड ब्लड डोनर्स डे के मौके पर विश्वास फाउंडेशन द्वारा ट्राईसिटी में चार ब्लड डोनेशन कैंप लगाए जाएंगे। ये सेक्टर-11 मार्केट चंडीगढ़, पंचकूला सेक्टर-6 मार्केट और मोहाली के फेज-5 व जीरकपुर के गुरुद्वारा श्री नाभा साहिब में लगेंगे। कमांड अस्पताल पंचकूला, सिविल अस्पताल पंचकूला, सिविल अस्पताल मोहाली व एम केयर ब्लड बैंक जीरकपुर की टीमें ब्लड एकत्र करेंगी। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक रक्तदान शिविर जारी रहेंगे। 18 से 65 साल का कोई भी स्वस्थ व्यक्ति इन शिविरों में पहुंचकर रक्तदान कर सकता है।

Dated:-14/06/2024

दैनिक जागरण

चंडीगढ़

आज रक्तदान करके अस्पतालों में हो रही कमी को करें पूरा

विश्व रक्तदाता दिवस आज

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : शुक्रवार विश्व रक्तदाता दिवस है। ट्राईसिटी में कई जगह अलग अलग संस्थाओं की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही आप सेक्टर-32 जीएमसीएच, पीजीआइ और सेक्टर-16 के अस्पताल में जाकर भी रक्तदान करके सामाजिक जिम्मेदारी निभा सकते हैं। गर्मी के कारण इस समय अस्पतालों में रक्त की भारी कमी है। शिव कांवड़ महासंघ की ओर से हर साल की तरह इस बार भी सेक्टर-17 की ब्रिज मार्केट और सेक्टर-20 की कंप्यूटर मार्केट में रक्तदान शिविर लगाया गया है। यहां पर जो रक्तदान करने के लिए आएगा उसे संस्था की ओर से गिफ्ट भी मिलेगा।

20 से ज्यादा लोग ऐसे जो 100 से ज्यादा बार कर चुके हैं रक्तदान : ट्राईसिटी में ऐसे सैकड़ों लोग हैं जो हर तीन माह बाद रेगुलर रक्तदान करते हैं। ट्राईसिटी में ऐसे 20 से ज्यादा लोग है जो 100 से ज्यादा बार रक्तदान कर चुके हैं। इनमें परागराज शर्मा, राजन रेखी, रंधीप बत्ता, डा. पकंज कौल, राजेंद्र कौशल, पुलिस कर्मचारी राकेश रसीला, अशवनी मुंजाल, भूपेंद्र सिंह, सतीश सचदेवा, पीजीआइ ब्लड बैंक से रिटायर्ड डा. ऊषा राव का नाम शामिल है। इनमें कई लोग ऐसे भी है जो कि 200 से ज्यादा बार भी रक्तदान कर चुके हैं।

रक्त का सातवां हिस्सा थैलीसीमिया बच्चों के लिए : चंडीगढ़ में जो रक्त इकट्ठा होता है उसका एक बड़ा हिस्सा थैलीसीमिया ग्रस्त बच्चों की जिंदगी बचाने में जाता है। एकत्र होने वाले रक्त का सातवां हिस्सा ऐसे बच्चों को चढ़ाया जाता है। चंडीगढ़ पीजीआइ में 350 बच्चे हैं जिन्हें हर 14 एवं 21 दिन में खून बदला जाता है। पीजीआइ में जम्मू कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, यूपी और हरियाणा सहित बच्चे पंजीकृत हैं, जिनके अभिभावक बच्चों की जिंदगी बचाने के लिए पीजीआइ में आते हैं। थैलीसीमिया के बाद रक्त की जरूरत ट्रामा सेंटर में होती है।

18 से 64 साल की आयु के लोग कर सकते हैं रक्तदान

हर कोई स्वास्थ्य व्यक्ति जिसकी आयु 18 से 65 साल के बीच है, जिसके अंदर हीमोग्लोबिन की मात्रा साढे 12 ग्राम से ऊपर है। रक्तदाता का खुद का वजन 45 किलो होना चाहिए। रक्तदान करने से पहले नाश्ता और खाना अच्छी तरह से खाया हो। नींद अच्छी तरह से आई हुई हो। जबकि हार्ट और मधुमेह के मरीज रक्तदान नही कर सकते हैं। जिन्हे मिर्गी के दौरे पड़ते हो या कोई मानसिक तनाव होने पर रेगुलर दवाई खाता है। इसके अलावा कैंसर पीड़ित मरीज रक्तदान नहीं कर सकता है। बीपी का मरीज रक्तदान कर सकता है। रक्तदान से पहले वह इसकी दवाई भी खा सकता है, लेकिन इसकी जानकारी रक्तदान से पहले डाक्टर को जरूरत बताएं।

आज ट्राईसिटी में चार जगहों पर लगाए जाएंगे शिविर

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य पर विश्वास फाउंडेशन पंचकूला की ओर से चार रक्तदान शिविरों का आयोजन ट्राईसिटी मे किया जा रहा है। यह चारों रक्तदान शिविर चंडीगढ मे मार्केट सेक्टर-11 मे पंचकूला मे मार्केट सेक्टर-6 मे मोहाली मे मार्केट फेज-5 मे और जीरकपुर मे गुरुद्वारा श्री नाभा साहिब मे लगाए जाएंगे। कमांड अस्पताल पंचकूला, सिविल अस्पताल पंचकूला, सिविल अस्पताल मोहाली व एम केयर ब्लड बैंक जीरकपुर की टीमें रक्त एकत्रित करेंगी। सुबह 10 से शाम चार बजे तक रक्तदान शिविर जारी रहेंगे।

Dated:-14/06/2024

चंडीगढ़ भास्कर

भास्कर एक्सक्लूसिव प्रॉपर्टी टैक्स जमा न करने वाले सरकारी विभागों पर निगम की सबसे बड़ी कार्रवाई

पेक, पीयू, पीजीआई की 140 दुकानों का किराया अटैच करने का नोटिस जारी, 115 करोड़ प्रॉपर्टी टैक्स बकाया

नगर निगम ने सर्वे कर 157 दुकानों का तैयार किया था ब्योरा, कहीं मालिक नहीं मिला तो किसी ने किराया नहीं बताया

नवदीप मिश्रा | चंडीगढ़

प्रॉपर्टी टैक्स जमा न करने वाले सरकारी विभागों पर नगर निगम ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। निगम ने पीयू, पीजीआई और पेक कैंपस के अंदर बनीं दुकानों का किराया अटैच करने का नोटिस जारी कर दिया है। अब यह संस्थान दुकानों का किराया नहीं ले सकेंगे, दुकानदारों को किराया नगर निगम में जमा कराना होगा। दुकानदार किराया नहीं जमा करते हैं तो निगम उनकी दुकानें सील करेगा। निगम ने अपने सर्वे में तीनों कैंपस में 157 दुकानों, बैंक, कैंटीन और एटीएम को चिह्नित किया है। इसमें से 140 को नोटिस जारी कर दिया गया है। शेष दुकानों पर मालिक नहीं मिले या किराया बताने से इनकार कर दिया। निगम इसके अलावा कैंपस की अन्य संपत्तियों का भी पता कर रहा है जिनसे किराया आता हो और जिन्हें अटैच किया जा सके। इन तीनों संस्थानों का 115 करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है।

सालों से बकाया राशि के भुगतान के लिए निगम तीनों संस्थानों को नोटिस जारी करता रहा है, लेकिन तीनों संस्थान प्रशासन से पुराना बिल माफ करने की गुजारिश में लगे थे। अब तक नगर निगम प्रॉपर्टी टैक्स जमा न करने वाले सभी सरकारी व निजी संपत्तियों के मालिकों को हर साल नोटिस जारी करता था। भुगतान न होने पर निजी संपत्ति पर तो निगम सील करने की कार्रवाई करता था, लेकिन सरकारी संपत्ति पर नोटिस के आगे कार्रवाई नहीं होती थी। पहली बार निगम ने सरकारी संपत्तियों को अटैच करने की कार्रवाई की है। अभी तक अटैच संपत्तियों से निगम को पीजीआई से 1,81,28,127, पेक से 8,01,961 और पीयू से 14,60,632 रुपए आने का अनुमान है। न्यू ओपीडी की केमिस्ट शॉप से ही 94 लाख का किराया आता है।

पीआईडी पीयू की और भुगतान के लिए दुकानदारों पर डाली जिम्मेदारी...

प्रॉपर्टी टैक्स के लिए प्रत्येक संपत्ति की प्रॉपर्टी आइडेंटिफिकेशन नंबर (पीआईडी) जारी होती है। पीयू की पीआईडी वहां के रजिस्ट्रार के नाम पर है, लेकिन अफसरों ने दुकानदारों के साथ किए रेंट एग्रीमेंट में सभी प्रकार के टैक्स जमा करने की जिम्मेदारी उन्हीं पर डाल दी है। ऐसे में दुकानदार परेशान होकर नगर निगम पहुंचे। अफसरों उन्हें बताया कि दुकानदारों को अब अपना किराया समय से नगर निगम को जमा कराना है। चूंकि पीआईडी रजिस्ट्रार के नाम पर है, इसलिए टैक्स प्रबंधन को ही जमा कराना होगा। पीयू दबाव बनाता है तो उन्हें दुकानदारों के नाम से पीआईडी बनानी होगी।

इतना प्रॉपर्टी टैक्स बकाया

पीयू	65,73,64,425 रुपए
पीजीआई	37,57,32,724 रुपए
पेक	13,35,21,155 रुपए

हमने तीनों संस्थानों को लगातार नोटिस देकर प्रॉपर्टी टैक्स भरने को कहा था, लेकिन टैक्स नहीं भरा गया। जब कोई प्रॉपर्टी टैक्स नहीं भरता है तो नियमानुसार हमारे पास उसकी उस संपत्ति को अटैच करने की पावर है जिससे उसे रेवेन्यू मिल रहा है। इसी के तहत हमने तीनों संस्थानों की संपत्ति को अटैच करने की कार्रवाई की है।"

• **अनिंदिता मित्रा,** कमिश्नर, नगर निगम

Dated:-14/06/2024

दिव्य हिमाचल

चंडीगढ़ पीजीआई में होगा इलेक्ट्रिसिटी ऑडिट

फायर सेफ्टी को मजबूती करने के लिए पहल

दिव्य हिमाचल ब्यूरो – चंडीगढ़

चंडीगढ़ पीजीआई में बार-बार आग लगने की घटनाओं को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने पीजीआई की फायर सेफ्टी को मजबूत करने के लिए इलेक्ट्रिसिटी ऑडिट करवाने के लिए कहा है, ताकि बिजली की सभी कमियों को दूर किया जाए। पीजीआई को तीन माह के अंदर यह ऑडिट कर रिपोर्ट मंत्रालय को सौंपनी है। पीजीआई मॉक ड्रिल्स और फायर सेफ्टी को लेकर हर वक्त काम कर रहा है। अब इसकी रिपोर्ट स्वास्थ्य मंत्रालय को भी दी जाएगी कि संस्थान में कितनी मॉक ड्रिल्स हुई। कितना स्टाफ ट्रेंड हुआ, फायर सेफ्टी को लेकर कौन सा नया कदम उठाया गया, कौन सी कमियां आ रही हैं और उन्हें कैसे दूर किया जा रहा है। पीजीआई को यह सारा ब्यौरा स्वास्थ्य मंत्रलाय को देना होगा। मौजूदा स्टाफ के साथ ही इस ऑडिट को एक साथ किया जा रहा है। अभी तक एडवांस आई सेंटर का 30, एडवांस पीडियाट्रिक सेंटर का 80 प्रतिशत, नेहरू अस्पताल का 40 प्रतिशत और कार्डियक सेंटर की 30 प्रतिशत ऑडिट किया जा चुका है।

ऑडिट चलते हुए अभी एक माह हो चुका है। यह पहली बार है कि पीजीआई में इलेक्ट्रिसिटी का ऑडिट किया जा रहा है। हालांकि वक्त रहते कमियों को दूर किया जाता है, लेकिन वह तभी होता है जब कोई शिकायत या कमी किसी के नजर में आती है। फायर ऑडिट के बाद ही इस साल 30 मार्च को कार्डियक सेंटर में चलते ऑपरेशन के बीच आग लगी थी। हादसे के बाद अस्पताल की जांच के लिए कमेटी भी बनाई। कमेटी ने भी सिफारिश दी थी कि अस्पताल के वो सभी हॉट स्पॉट पता लगाए जाएं, जहां आग लगने का जरा सा भी खतरा है। पिछले साल नौ महीने में सात बार संस्थान में आग लग चुकी है।

हर माह आ रहा करोड़ों का बिल

गर्मियों में एसी के चलते बिजली की खपत बढ़ जाती है। हर महीने में तीन से छह करोड़ रुपए बिल आता है, जबकि सर्दियों में यह अढ़ाई से पांच करोड़ तक रहता है। कुछ एरिया ऐसे हैं, जहां लोड एक जैसा नहीं रहता, कम ज्यादा होता रहता है, जिस कारण शार्ट सर्किट का खतरा बना रहता है। सर्दियों के मुकाबले गर्मियों में हर हफ्ते छोटी मोटी आग आग लगने की घटनाएं होती रहती है।